पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

पैपराजी पर भड़कीं मलाइका अरोड़ा

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 102 ■ रविवार 28 जून 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

एक ही दिन में 8 लोगों को सांप ने काटा

■ सेंट्रल हॉस्पिटल में आए सभी मामले

■ तीन महिलाएं, तीन पुरुष और दो बच्चे शामिल

उल्हासनगर. बारिश के मौसम में सांप के काटने के मामले बढ़ने लगे हैं। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उल्हासनगर सेंट्रल हॉस्पिटल में एक दिन में सांप के काटने के आठ मरीज इलाज के लिए पहुंचे। इनमें तीन महिलाएं, तीन पुरुष और दो बच्चे शामिल हैं। बच्चों में एक चार साल की लड़की और एक आठ साल का लड़का है। महिलाओं में वांगनी, अंबरनाथ और उल्हासनगर पांच की रहने वाली शामिल हैं, जबकि पुरुष मरीज कर्जत, टिटवाला और मुरबाड के रहने वाले बताए गए हैं। दोनों बच्चे उल्हासनगर के रहने वाले हैं। सेंट्रल हॉस्पिटल की डॉक्टर अदिति बिडवई ने बताया कि फिलहाल सभी मरीजों की हालत खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि कुछ मामलों में जहरीले सांप के काटने की पुष्टि हुई, लेकिन परिवार वाले बिना देर किए मरीजों को हॉस्पिटल ले गए, ताकि समय पर इलाज शुरू हो सके और किसी की हालत गंभीर न हो।

■ महीने में कुल 32 लोगों को सांप ने काटा

जिला सर्जन मनोहर बंसोड़े ने नागरिकों से अपील की है कि सांप के काटने पर पेड़ के धुएं जैसे घरेलू इलाज का सहारा लेने के बजाय तुरंत इलाज के लिए नजदीकी हॉस्पिटल पहुंचें। उन्होंने कहा कि बारिश के दिनों में खेतों, झाड़ियों, पानी भरे इलाकों और अंधेरी जगहों पर जाते समय खास ध्यान रखें। समय पर इलाज से ज्यादातर मरीज़ों की जान बच सकती है। डॉ. अदिति ने बताया कि इस महीने कुल 32 लोगों को सांप ने काटा।

शिवसेना नगरसेविका पूजा भोईर का पद रद्द

उल्हासनगर में शिवसेना को दूसरा झटका

कई अन्य नगरसेवकों पर लटकी पद रद्द की तलवार

■ जल्द होंगे प्रभागों में उपचुनाव

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका में शिवसेना की सत्ता विराजमान हुए करीब चार माह से अधिक समय बीत चुका है लेकिन शिवसेना को इन चार महीनों में दो झटके लग चुके हैं। पैनल 6 अ से शिवसेना नगरसेवक विक्की लबाना का कास्ट प्रमाण पत्र अवैध घोषित होने के बाद उनका नगरसेवक पद रद्द किया गया ऐसे में पैनल 1 ब से शेड्यूल ट्राइब महिला आरक्षित सीट से विजयी हुई शिवसेना नगरसेविका पूजा भोईर का नगरसेवक पद भी कास्ट वैलिडिटी प्रमाण पत्र भी अवैध होने के कारण पद रद्द हो चुका है। इससे शिवसेना मुश्किल में और अल्पमत में आ गई है। भाजपा उम्मीदवारों की शिकायत पर दोनों का पद रद्द हुआ है। अब यहां 6 माह के भीतर उपचुनाव होंगे। वहीं खबर मिली है कि शहर में इस तरह के कई मामला न्यायालय व कोंकण भवन में लंबित हैं और जल्द ही अन्य कई विकेट गिरने की संभावना है जिसमें पैनल 17 का भी समावेश है। उन नगरसेवकों पर अभी से ही पद रद्द की तलवार लटक रही है।

ज्ञात हो कि उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने एक आदेश जारी कर यह सूचना दी है कि पैनल 1 ब से शेड्यूल्ड ट्राइब महिला रिजर्व सीट से चुनी गई शिंदे शिवसेना नगरसेविका पूजा सचिन भोईर को नगरसेवक पद के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है, क्योंकि उनका जाति सर्टिफिकेट अवैध पाया गया है। शिवसेना नगरसेवकों की संख्या 36 से घटकर अब 34 हो गई है। लेकिन वंचित बहुजन आघाडी, साई पक्ष और निर्दलीय के समर्थन से शिवसेना को खतरा नहीं है। जबकि भाजपा के 37 नगरसेवक मौजूद हैं। जिन नगरसेवकों पर पद रद्द की तलवार लटक रही है उनमें ज्यादातर शिवसेना के ही है और भाजपा के भी कुछ नगरसेवक हैं। यह पद रद्द का खेल और 6 माह चल सकता है। अब और कितने नगरसेवकों के विकेट जाएंगे यह तो आने वाला समय ही बताएगा फिलहाल उपचुनाव के लिए हलचल तेज हो गई है। फिलहाल पैनल 1 व पैनल 6 में उपचुनाव जल्द होंगे और एक बार फिर भाजपा व शिवसेना की भीड़त देखने को मिलेगी।

देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़

■ महिला वकील दलाल गिरफ्तार

■ दो महिलाओं को छुड़ाया गया

कल्याण. कल्याण पूर्व में ठाणे अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए देह व्यापार के एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। कोलसेवाड़ी पुलिस थाना क्षेत्र के तिसगांव नाका स्थित होटल उडुपी पैलेस पर छापा मारकर पुलिस ने देह व्यापार की दलाली करने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया और दो पीड़ित महिलाओं को मुक्त कराया।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि होटल में आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद महिलाओं को बहला-फुसलाकर देह व्यापार के लिए मजबूर किया जा रहा है। सूचना के आधार पर मानव तस्करी विरोधी पथक ने छापेमारी की और आरोपी महिला दलाल को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार महिला पेशे से वकील है। उसे अदालत में पेश किए जाने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपी के चंगुल से दो पीड़ित महिलाओं को सुरक्षित छुड़ाकर उन्हें संरक्षण और पुनर्वास के लिए उल्हासनगर स्थित शांतिसदन भेज दिया है। इस मामले में कोलसेवाड़ी पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि शहर के व्यस्त और भीड़भाड़ वाले इलाके में लंबे समय से यह अवैध धंधा चल रहा था।

श्रमजीवी संगठन का आदिवासी विरोध मोर्चा

■ बच्चे की मौत के दोषियों पर कार्रवाई होगी

■ आदिवासियों के विरोध के बाद एडमिनिस्ट्रेशन ने भरोसा दिया

उल्हासनगर. उल्हासनगर के सेंट्रल हॉस्पिटल में इलाज में लापरवाही के कारण सांप के काटने से तीन साल के बच्चे की मौत हो गई। इस मामले में आदिवासी विरोध मार्च के कड़े विरोध के बाद, मृतक बच्चे के परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद फिर से जगी है क्योंकि डिस्ट्रिक्ट सर्जन डॉ. मनोहर बंसोड़े ने इस मामले में दोषियों के खिलाफ 15 दिनों के अंदर सख्त कार्रवाई करने का वादा किया है।

गुरुवार को श्रमजीवी संगठन महाराष्ट्र के नेतृत्व में हेल्थकेयर में लापरवाही के खिलाफ आदिवासी विरोध मार्च निकाला गया। बड़ी संख्या में आदिवासी महिलाएं, पुरुष और एक्टिविस्ट हॉस्पिटल परिसर में खड़े हुए और बच्चे की मौत में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

मार्च के बाद, संगठन के डेलीगेशन ने डिस्ट्रिक्ट सर्जन डॉ. मनोहर बंसोड़े से मुलाकात की और एक बयान दिया। इस समय, एडमिनिस्ट्रेशन ने लिखकर जवाब दिया और साफ़ किया कि उन्होंने इस घटना को गंभीरता से लिया है। बताया गया कि बच्चे की मौत की जांच के लिए एक इंडिपेंडेंट कमेटी बनाई गई है और संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की एक मीटिंग भी हो चुकी है। डॉ. मनोहर बंसोड़े ने भरोसा दिलाया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर 15 दिनों के अंदर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, और संगठन की मांगों पर लिखकर जवाब दिया जाएगा।

उल्हासनगर मनपा अस्पताल का राष्ट्रीय गौरव

■ महाराष्ट्र की पहली NABH एंट्री लेवल रेटिंग

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल सुपरस्पेशियलिटी कैशलेस हॉस्पिटल को महाराष्ट्र में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले हॉस्पिटल में पहली बार 'NABH एंट्री लेवल रेटिंग' मिली है। यह क्वालिटी, सुरक्षित और पेशेंट-सेंटर्ड हेल्थकेयर के लिए नेशनल लेवल पर भरोसे की एक ऑफिशियल मुहर है।

उल्हासनगर म्युनिसिपल सुपरस्पेशियलिटी कैशलेस हॉस्पिटल ने कल्याण लोकसभा क्षेत्र के MP डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे के सपोर्ट से पब्लिक हेल्थ सिस्टम में नया इतिहास रचा है। नेशनल हॉस्पिटल रेटिंग बोर्ड द्वारा दी गई यह रेटिंग, हॉस्पिटल में इलाज की क्वालिटी और पेशेंट-सेंटर्ड सर्विसेज़ को कड़े क्राइटेरिया पर वेरिफाई करने के बाद दी जाती है।

म्हारल रोड पर रीजेंसी एंटीलिया एरिया में बना यह 200 बेड का हॉस्पिटल महात्मा फुले जनआरोग्य के साथ-साथ येलो और ऑरेंज राशन कार्ड होल्डर्स को कई इलाज फ्री में दे रहा है।

'NABH एंट्री लेवल रैंकिंग' उन कोशिशों का सबूत है, और हम भविष्य में भी सुरक्षित और मरीज़ों पर केंद्रित हेल्थकेयर सर्विस देने के लिए कमिटेड हैं।
– डॉ. श्रीकांत शिंदे, MP

'NABH एंट्री लेवल रैंकिंग' कर्मचारियों और एडमिनिस्ट्रेशन की मिली-जुली कोशिशों का नतीजा है।
– मनीषा अव्हाले, मनपा आयुक्त

MP संजय पाटिल के खिलाफ शिकायत दर्ज

■ एंटी-टेररिज्म एक्ट के तहत केस दर्ज कर तुरंत गिरफ्तारी की मांग

उल्हासनगर. शिंदे सेना में शामिल हुए संजय पाटिल के बेतुके बयान की जांच होनी चाहिए और उनके खिलाफ अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट (UAPA) के तहत केस दर्ज कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। यह लिखित बयान उद्धव सेना के पदाधिकारियों ने सेंट्रल पुलिस को दिया है।

उद्धव सेना के शहर प्रमुख शिवाजी जावले के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को उल्हासनगर में सेंट्रल पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर से मुलाकात की और एक लिखित शिकायत दी। MP संजय पाटिल ने न केवल बेतुके बयान देकर प्रदर्शनकारियों को धमकाया, बल्कि एक चौंकाने वाला बयान भी दिया कि उन्होंने पहले 5 लोगों को मार डाला है, अगर कोई मेरे खिलाफ विरोध करेगा, तो मैं उन पर बम गिरा दूंगा, उनके घरों में घुसकर उन्हें मार डालूंगा। एक जनप्रतिनिधि का सार्वजनिक रूप से पहले हत्या करने की बात कबूल करना बहुत गंभीर मामला है, और पुलिस को इस बात की पूरी जांच करनी चाहिए कि उन्होंने कब और किसकी हत्या की, शिकायत आवेदन में मांग की गई है।

उल्हासनगर में स्लैब गिरा

उल्हासनगर. कैंप-3 में साईं दर्शन सोसायटी के 'B' विंग में एक बड़ा हादसा हुआ, जब फ्लैट के अंदर के स्लैब का एक बड़ा हिस्सा अचानक गिर गया। अच्छी बात यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ; लेकिन, इस घटना ने एक बार फिर शहर में जर्जर और खतरनाक इमारतों के मुद्दे को सामने ला दिया है।

गुरुवार शाम को कैंप-3 OT सेक्शन में साईं दर्शन सोसायटी के 'B' विंग में फ्लैट नंबर 305 में अंदर का स्लैब अचानक गिरने से हड़कंप मच गया। तेज आवाज सुनते ही लोग अपने घरों से बाहर भागे और इलाके में डर का माहौल बन गया। अच्छी बात यह रही कि हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी और फायर ब्रिगेड की टीम और संबंधित विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बिल्डिंग का मुआयना किया है और नोटिस जारी किया है। हादसे से बचने के लिए बिल्डिंग की बिजली और पानी की सप्लाई काटने के निर्देश दिए गए हैं।

रक्त चोरी के मामले में नया मोड़

■ हॉस्पिटल के नाम पर फर्जी रिकॉर्ड

उल्हासनगर. उल्हासनगर के सरकारी सेंट्रल हॉस्पिटल ने खून की मांग ही नहीं की थी, तो उनके नाम पर लिए गए सैकड़ों बैग कहां गए, ऐसा सवाल उठाए जाने पर शक पैदा हो रहा है। हॉस्पिटल सुपरिटेंडेंट डॉ. मनोहर बंसोड़े ने साफ किया कि सरकारी सेंट्रल हॉस्पिटल ने जनवरी में खून की कोई मांग नहीं की थी। उसके बाद शक जताया गया है कि सरकारी हॉस्पिटल के नाम का गलत इस्तेमाल करके खून को किसी प्राइवेट ब्लड बैंक में भेज दिया गया। इसलिए अब इस मामले की हाई-लेवल जांच और दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की जा रही है। यह पता चला है कि उल्हासनगर के सरकारी सेंट्रल हॉस्पिटल ने खून की मांग ही नहीं की थी, फिर भी हजारों बैग अपने नाम पर रजिस्टर कर लिए थे। ब्लड डोनेशन जैसे सामाजिक और जीवन रक्षक सिस्टम को बदनाम करने वाली इस घटना से हेल्थ डिपार्टमेंट में बड़ी हलचल मच गई है। शक है कि सरकारी हॉस्पिटल के नाम का इस्तेमाल करके पैसे की ठगी की गई।

गहरी जांच

डॉ. मनोहर बंसोड़े ने कहा कि जनवरी में सरकारी अस्पताल ने किसी भी तरह से खून की मांग नहीं की थी। अगर हमारे नाम पर कोई रिकॉर्ड बनाया गया है, तो यह बहुत गंभीर मामला है। इसलिए अस्पताल स्तर पर भी पूरी जांच की जाएगी।

महावितरण कार्यालय में स्मार्ट मीटर पटक कर तोड़ दिया

■ पहले बिल हजार के अंदर आता था

■ अब बिल आया 96 हजार

अंबरनाथ. बिजली के स्मार्ट मीटर के विरोध में मोर्चा, आंदोलन राज्य में जारी है. अंबरनाथ में भी स्मार्ट मीटर के बारे में भारी रोष देखा जा रहा है. इतना होने के बावजूद महाराष्ट्र सरकार टस से मस नहीं हो रही है. जहां लोगों को आठ सौ से हजार रुपए लाइट बिल आता था. स्मार्ट मीटर लगाने के बाद पांच हजार से लेकर 96 हजार रुपयों तक का बिल आ रहा है.

अंबरनाथ युवा सेना उप शहराध्यक्ष यश अजय जाधव का भी पुराना मीटर बदलकर महावितरण ने स्मार्ट मीटर बिठाने के बाद उन्हें 96 हजार रुपए बिल आने पर वह रोष में आ गए और उन्होंने स्मार्ट मीटर महावितरण कार्यालय में ले जाकर उसे कार्यालय में फेंककर तोड़ दिया. उन्होंने पत्रकारों को बताया कि उनको पूर्व सूचना दिए बिना अथवा

लिखित सहमति ना लेते हुए महावितरण के कर्मचारियों ने उनका पुराना मीटर निकालकर ले गए और स्मार्ट मीटर लगा दिए. पहले यश जाधव का लाइट बिल एक हजार रुपयों के अंदर आता था. अब बिल 96 हजार रुपए आने पर वह रोष में आ गए और कार्यालय में जाकर कर्मचारियों के समक्ष स्मार्ट मीटर फेंककर टुकड़े-टुकड़े कर दिया. ये एक घर तक मर्यादित नहीं है. झोपड़ियों में रहनेवालों को भी 10 से 15 हजार रुपए बिल आ रहा है, जब लोग शिकायत करने जाते हैं तो महावितरण अधिकारी मौजूद नहीं रहते हैं. यश ने कहा है कि शहर में स्मार्ट मीटर बिठाना बंद किया जाए. महाराष्ट्र सरकार को चाहिए कि वह लोगों की बातों को सुनें और अडानी का स्मार्ट मीटर लगाना बंद करे नहीं तो पूरे महाराष्ट्र में जन आंदोलन होगा और सरकार को ये जन आंदोलन संभालना मुश्किल हो जाएगा.

सेल्फ-डिफेंस नहीं, स्टेटस सिंबल के लिए आर्म्स लाइसेंस?

■ ठाणे जिले में डेवलपर्स, इंडस्ट्रियलिस्ट के पास लाइसेंसी बंदूकें

उल्हासनगर. ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर, भिवंडी और मीरा-भायंदर जैसे तेज़ी से बढ़ते शहरों की वजह से, यहाँ 'स्टेटस सिंबल' के तौर पर हथियार रखने का चलन ज़्यादा है। हालाँकि सेल्फ-डिफेंस का कारण बताया जाता है, लेकिन अक्सर आर्म्स लाइसेंस के लिए अप्लाई सिर्फ़ स्टेटस सिंबल के लिए किया जाता है। इतना ही नहीं, क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले लोगों के पास भी लाइसेंसी बंदूकें देखी जाती हैं। इंडस्ट्रियलिस्ट, डेवलपर्स, पॉलिटिकल लीडर और क्रिमिनल बैकग्राउंड से जुड़े लोगों की वजह से इस इलाके में आर्म्स लाइसेंस का मामला हमेशा से सेंसिटिव रहा है।

■ लाइसेंस के नियम, प्रक्रिया और खर्च क्या हैं?

आर्म्स लाइसेंस के लिए अप्लाई 'महाऑनलाइन' पोर्टल या सीधे कमिश्नरेट में करना होता है। उसके बाद, ठाणे क्राइम ब्रांच विंग और संबंधित लोकल पुलिस ठाणे एप्लीकेंट के घर जाकर पूछताछ करती है। साथ ही, ठाणे डिस्ट्रिक्ट गवर्नमेंट हॉस्पिटल या किसी मान्यता प्राप्त डॉक्टर से फिजिकल और मेंटल हेल्थ सर्टिफिकेट लेना होता है। सरकारी फीस, बंदूक

खरीदने का खर्च और हर तीन साल में रिन्यूअल का खर्च अलग है।

■ जिले में सैकड़ों लोगों के पास आर्म्स लाइसेंस

ठाणे पुलिस कमिश्नरेट और डिस्ट्रिक्ट कलेक्ट्रेट को पिछले पांच सालों में आर्म्स लाइसेंस के लिए सैकड़ों एप्लीकेशन मिले। इनमें सबसे ज़्यादा बिजनेसमैन, बिल्डर और पॉलिटिकल एक्टिविस्ट के थे।

■ रिपोर्ट के बाद ही जारी होते हैं लाइसेंस

जिले में, खासकर कंस्ट्रक्शन वर्कर, रेत व्यापारी और पॉलिटिकल पार्टियों के पदाधिकारियों के बीच पिस्टल रखना 'वजन बढ़ाने' का एक तरीका माना जाता है। इसे देखते हुए, पुलिस तब तक लाइसेंस जारी नहीं करती जब तक उन्हें लोकल पुलिस स्टेशन और क्राइम ब्रांच से यह रिपोर्ट न मिल जाए कि 'जान को खतरा' है।

■ पांच साल में सैकड़ों एप्लीकेशन, कई लाइसेंस कैंसिल

पिछले पांच सालों में, पुलिस कमिश्नरेट को आर्म्स लाइसेंस के लिए सैकड़ों एप्लीकेशन मिले। पुलिस कमिश्नरेट ने बताया कि कई लाइसेंस अलग-अलग वजहों से कैंसिल कर दिए गए।

■ लाइसेंस कैंसिल करने की वजहें

अगर पॉलिटिकल दुश्मनी, गैंगवॉर और पुराने झगड़ों की वजह से हथियार इस्तेमाल करने का डर है और अगर एप्लिकेंट पर एक्सटॉर्शन, लड़ाई-झगड़े या ज़मीन के झगड़े का आरोप है, तो लाइसेंस तुरंत कैंसिल कर दिया जाता है। अगर आप सोशल मीडिया पर कोई फ़ोटो या वीडियो पोस्ट करते हैं, तो आपका लाइसेंस कैंसिल कर दिया जाएगा। चुनाव के समय, हथियार लाइसेंस होल्डर्स को इसे पुलिस स्टेशन में सरेंडर करना होता है।

हथियार रखना कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक गंभीर ज़िम्मेदारी है। हमने उन लोगों के लाइसेंस कैंसिल किए हैं जो अपना 'रुतबा' दिखाने या दूसरों को धमकाने के लिए हथियारों का इस्तेमाल करते हैं।
–सचिन गोरे, पुलिस उपायुक्त

महिला रिक्शा चालक घायल

■ 4 चोरों पर अपराध दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक चार पहिया वाहन ने महिला रिक्शा चालक की रिक्शा को टक्कर मारकर महिला को गंभीर घायल कर दिया है तो दूसरी घटना में शहर पश्चिम निवासी चार चोरों ने एक चार पहिया वाहन को चोरी करके ले जाते समय डिवाइडर को टक्कर मारकर वाहन का नुकसान किया है. चारों के नाम पुलिस ने सुनिल सिंह दुधानी (27), अशवान सिंह दुधानी (27), कृपास सिंह दुधानी और अनिल सिंह दुधानी बताए हैं.

इन चारों ने शहर पूर्व में चिखलोली एमआईडीसी से एक कंपनी की मारुति इको कार चोरी करके बदलापुर पाइप लाइन से तेज रफ्तारी से जा रहे थे. शिकायतकर्ता राजेश चव्हाण (52) के एक परिचित उस कार का पीछा कर रहे थे. तेज रफ्तार से कार चलाते हुए दुधानी ने पाटिल पेट्रोल पंप के पास रोड के डिवाइडर को टक्कर मार दिया. जिसके कारण कार पलटी हो गई. कार का बड़ा नुकसान हुआ है. अंबरनाथ पुलिस नो चारों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है.

एक महिला रिक्शा चालक रेखा गणेश चौधरी ने पुलिस में शिकायत दी है कि वह कल्याण-बदलापुर रोड, शंकर मंदिर के आगे से अपनी रिक्शा चलाते जा रही थी कि टेम्पो ट्रैवेल्स के चालक विशाल जाधव ने उनकी रिक्शा को जोरदर टक्कर मार दिया. जिसके कारण उसके दोनों पैर के घुटने फ्रैक्चर हो गए हैं. वह गंभीर रूप से घायल हो गई है. उसकी रिक्शा का भी नुकसान हुआ है. अंबरनाथ पुलिस ने वाहन चालक विशाल जाधव पर अपराध दर्ज कर लिया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

असुरक्षित दिल्ली

आज हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं जहां चंद रुपये के लिए किसी की हत्या कर दी जाती है। यह कानून व्यवस्था का मसला जरूर है, लेकिन इसके समाजशास्त्रीय पक्ष को लगातार अनदेखा किया गया है। चिंता की बात है कि बच्चों का स्वभाव भी अब उग्र होता जा रहा है। मामूली बातों पर आपा खो देना सामान्य बात हो गई है।

दिल्ली में एक बार फिर महज कुछ रुपये के लिए एक व्यक्ति की हत्या समाज की मनोदशा की स्याह तस्वीर सामने रखती है। खबरों के मुताबिक, पिछले दिनों राजधानी के तिलक नगर इलाके में मात्र डेढ़ सौ रुपये के विवाद में तीन नाबालिगों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी। नाबालिगों में इस तरह बढ़ रहे दुस्साहस की वजह जानने की आवश्यकता है।

दिल्ली में स्थानीय निकाय से लेकर राज्य और केंद्र तक- तीन इंजन की सरकार होने और पुख्ता सुरक्षा के दावों के बीच इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, तो स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। अगर यहां पढ़ने-लिखने की उम्र में बच्चे हथियार लेकर चल रहे हैं, यह कानून व्यवस्था संभालने वालों की भी लापरवाही है।

इस तरह के अपराध से नागरिकों के मन में असुरक्षा का बोध बढ़ेगा। वैसे भी आत्मकेंद्रित हो रहे समाज में अब कोई किसी को बचाने के लिए आगे नहीं आता। हालांकि तिलक नगर में हुई हत्या के मामले में आरोपी तीन किशोरों को दिल्ली पुलिस ने कुछ ही घंटे में पकड़ लिया, लेकिन सवाल है कि नाबालिगों के हाथों में चाकू जैसे घातक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं?

गौरतलब है कि दिल्ली में पहले भी इसी तरह महज चार सौ रुपये के लेनदेन के विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई थी। ताजा मामले में बताया गया कि पीड़ित ने जबरन एक किशोर से डेढ़ सौ रुपये लिए थे, जिसे वह वापस नहीं कर रहा था। इस तरह की घटनाओं से स्पष्ट है कि हम किशोरों को सामाजिक मूल्यों का पाठ नहीं पढ़ा पाए हैं। नाबालिगों में हिंसक प्रवृत्ति का बढ़ना पूरे समाज के लिए चेतावनी है। इसे रोकने के लिए कई स्तरों पर कदम उठाने की जरूरत है।

विमर्श

एआई संप्रभुता की ओर बढ़े भारत

ट्रंप प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर एंथ्रोपिक के सबसे शक्तिशाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स फेबल 5 और मिथोस 5 के विदेशी उपयोग पर प्रतिबंध ने सभी को सकते में डाल दिया है। आदेश के अनुसार विदेश में कार्यरत अमेरिकी भी एंथ्रोपिक के इन टूल्स का उपयोग नहीं कर पाएंगे।

एंथ्रोपिक के अनुसार जो प्रमाण दिखाए गए हैं, वे इतने व्यापक प्रतिबंध को उचित नहीं ठहराते, पर उसके पास सरकारी निर्देश का पालन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। जानकारों का मानना है कि एंथ्रोपिक को ट्रंप प्रशासन के उस पूर्वाग्रह की कीमत चुकानी पड़ रही है, जो एंथ्रोपिक के मुकाबले ओपन एआई को लाभान्वित करना चाहती है।

बहरहाल इस स्थिति ने भारत समेत विश्व भर के उन एआई डेवलपर्स के लिए कठिनाई खड़ी कर दी है, जो इन टूल्स पर निर्भर थे। इस कदम ने ऐसे भय को जन्म दिया है, जो भविष्य में भारत की तकनीकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संभावनाओं को प्रभावित कर सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को जिस स्तर पर कृषि से उत्पादन क्षेत्र में परिवर्तित होना चाहिए था, उसमें अपेक्षाकृत सफलता नहीं मिली, परंतु आइटी क्षेत्र में हुए विस्तार ने न केवल इस नुकसान की भरपाई की, बल्कि अर्थव्यवस्था को बल भी दिया। तार्किक रूप से आइटी का विकास न केवल एआई के विस्तार की ओर जाएगा, बल्कि कोडिंग, डाटा एंट्री, मैन्युअल टेस्टिंग और पासवर्ड रीसेट सरीखे लेवल 1 और

2 आइटी सपोर्ट जैसे कार्यों को हटाकर उनका स्थान भी ले लेगा।

एआई प्रतिस्पर्धा में कौन देश कितनी बढ़त बनाएगा, यह वहां की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने के साथ यह भी तय करेगा कि उसका सरकारी एवं गैर सरकारी तंत्र कितना स्वतंत्र या परतंत्र रहेगा। एआई क्षेत्र या डाटा पर विदेशी निर्भरता अर्थतंत्र, राजनीति, शासन-प्रशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता जैसे राष्ट्र जीवन के तमाम पहलुओं को प्रभावित कर सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि भारत एआई और डाटा क्षेत्र में यथाशीघ्र संप्रभुता प्राप्त करे।

भारत ने अब तक ऐसे संदेश दिए हैं, जिसमें वह छोटे परंतु विशिष्ट एआई माडल्स या एप्लिकेशंस बनाने को प्राथमिकता देगा। संप्रभु एआई किसी देश की वह क्षमता है, जिसके तहत वह घरेलू आधारभूत ढांचे, स्थानीय डाटा, मानवीय प्रतिभा और कानूनी ढांचे का प्रयोग कर एआई सिस्टम्स को विकसित, लागू और नियंत्रित कर सकता है।

इसमें सेमीकंडक्टर, सेमीकंडक्टर चिप का जटिल प्रारूप यानी जीपीयू, बहुकार्मिक क्षमता वाले विशालकाय प्रोग्राम यानी फाउंडेशनल माडल, भाषाओं के बहुत बड़े डाटा पर अभ्यास कराए गए लार्ज लैंग्वेज माडल (एलएलएम), महाकाय डाटा सेंटर आदि की आवश्यकता पड़ती है। ऐसा नहीं है कि इन क्षेत्रों में काम नहीं हुआ है। देश में सर्वम, कृत्रिम और भारतजेन नामक पूर्णतः स्वदेशी एलएलएम विकसित हुए हैं।

साथ ही सी डैक ने एआई स्टैक के रूप में ऐरावत नामक सुपर कंप्यूटर भी तैयार किया है। शोधकर्ताओं और डेवलपर्स को आवश्यक गैर-व्यक्तिगत डाटासेट और माडल रियायती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए एआई कोश भी बनाया गया है। ये कदम सराहनीय हैं, पर अमेरिकी और चीनी कंपनियों के मुकाबले काफी छोटे हैं। भारत को एक-दो नहीं, बल्कि कई एलएलएम खड़े करने होंगे। आपसी प्रतिस्पर्धा इन माडल्स को धार और विस्तार देगी।

भारतीय परिदृश्य में दूसरे स्तर पर एप्लिकेशंस और माडल्स को ट्रेन करने के लिए डाटा की उपलब्धि एक बड़ी चुनौती है। संवेदनशील और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित न करने वाला डाटा इन स्टार्टअप्स के साथ साझा करना सरल बनाना होगा। एआई या डाटा संप्रभुता को बड़े निवेश की दरकार है। उदाहरण के लिए एंथ्रोपिक ने पिछले दो वर्षों में प्रतिवर्ष छह से सात अरब डालर खर्च किया है। ऐसे निवेश के लिए निजी एवं सरकारी सहयोग से धन जुटाना होगा। निवेश के अलावा संप्रभु एआई के लिए ऊर्जा भी एक बड़ी चुनौती बनेगी, जिसका प्रबंध सरकार को करना पड़ेगा।

यह जानना कि प्रभु हमारे साथ हैं, हमें जीवन की परेशानियों का सामना करने के लिए हिम्मत व धैर्य प्रदान करता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

लखनऊ जैसे हादसे एक चिंताजनक परिपाटी

जैसे ही कोई हादसा होता है, धड़ाधड़ सूचनाएं आने लगती हैं कि कैसे नियमों के अनुपालन में कोताही बरती गई और सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देशों की अनदेखी की गई। भवन निर्माण की मंजूरी, सुरक्षा मानकों के अनुपालन, निरीक्षण तंत्र, अग्नि सुरक्षा मंजूरी और विभिन्न विभागों की लापरवाही को लेकर असंख्य तथ्य सामने आने लगते हैं।

लखनऊ के अलीगंज हादसे को लेकर भी खबरें आ रही हैं। नियमों के अनुपालन में सख्ती के दावे अधिकारी कर रहे हैं। कई स्तर पर कार्रवाई की सूचनाएं प्रशासन जारी कर रहा है।

अहम सवाल है कि अगर खामियों के बारे में पहले से सब कुछ पता रहता है, तो किस मजबूरी में प्रशासन ने इस मामले में अब तक आंखें बंद कर रखी थीं? ऐसे हादसों में नियमों के उल्लंघन को लेकर सवाल उठते हैं। कुछ दिनों तक जांच चलती है और खामोशी छा जाती है। जांच में ऐसी कोताही अस्वीकार्य होनी चाहिए।

दरअसल, इस तरह के हादसे मौजूदा दौर में सेवा क्षेत्र के इर्द-गिर्द फलती-फूलती शिक्षा अर्थव्यवस्था, अनियोजित शहरी विस्तार और नियमन की विफलताओं को प्रतिबिंबित करते हैं। कम पूंजी निवेश में मोटे मुनाफे के लालच में नियमों को ताक पर रखा जा

रहा है। ऐसे उल्लंघन पूरे भारत में आम हैं, जहां व्यावसायिक और शैक्षिक प्रतिष्ठान बुनियादी सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी कर रहे हैं।

लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के जो तथ्य सामने आए हैं, उनसे पता चलता है कि लगभग एक दशक पहले कथित अनधिकृत निर्माण के आरोप में अलीगंज की संपत्ति को गिराने की कार्रवाई शुरू की गई थी। इसे एलडीए आवास योजना के तहत आबंटित किया गया और बाद में बेचा गया था। इसे 2014 में आवासीय संरचना के रूप में मंजूरी दी गई थी।

एलडीए ने अवैध निर्माण का पता चलने पर मई 2016 में गिराने का आदेश जारी किया, लेकिन दो महीने के भीतर ही आदेश वापस ले लिया। इन सवालों के जवाब सामने नहीं आए हैं कि विध्वंस के आदेश पर अमल क्यों नहीं हुआ? इसे वापस क्यों लिया गया?

लखनऊ जैसे हादसे एक चिंताजनक परिपाटी का संकेत दे रहे हैं। अधिकांश योजनाओं और भवन उपनियमों में मिश्रित उपयोग वाले निर्माण की अनुमति दी जाती है, बशर्ते ऐसी इमारतें अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करती हों।

लखनऊ के हादसे से स्पष्ट है कि दशकों तक गैर-कानूनी तरीके से आवासीय इमारत में कोचिंग संस्थान और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रहीं और प्रशासन सोता रहा। आए दिन होने वाले अग्निकांड से कोई सबक नहीं सीखा गया। प्रत्येक आपदा से मिलने वाले सबक सीमित रह जाते हैं। घटना के तुरंत बाद इमारत को सील करने और नोटिस देने का जो सिलसिला शुरू होता है, वह महज एक नियमित प्रक्रिया है। जांच की कवायद कुछ दिनों बाद ठंडे बस्ते में चली जाती है।

बीते कुछ महीनों में कोचिंग संस्थानों, होटलों और इसी तरह के प्रतिष्ठानों में लगी आग की कई घटनाएं सामने आई हैं। व्यापक रूप से चर्चा उन हादसों को लेकर हुई है, जिनमें जान-माल का नुकसान हुआ। हादसे छोटे हों या बड़े – किसी भी मामले में अगर कोताही न बरती जाए, नियमों को लेकर सख्ती की जाए, तो काफी हद तक ऐसे हादसों को टाला जा सकता है। जरूरत गंभीरता से कार्रवाई करने की है।

पाकिस्तान में दौड़ी खटिया कार

जरा हट के

पाकिस्तान में जुगाड़ सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि एक अलग ही कला है. वहां कब कौन-सी चीज काम में आ जाए, इसका कोई अंदाजा भी नहीं लगा सकता. कभी बाइक पर पूरा घर शिफ्ट होता दिख जाता है, तो कभी एक ही गाड़ी में इतनी सवारियां बैठी मिलती हैं कि देखने वाला गिनती भूल जाए. सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले ऐसे वीडियो अक्सर लोगों को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर देते हैं. इस बार भी पाकिस्तान से कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिल रहा, जो सोशल मीडिया में तहलका मचा रहा है. इस वीडियो को देख कर सबके जुबान से बस एक ही चीज निकल रही- वहां के इंजीनियरिंग आइडियाज का कोई मुकाबला नहीं.

बाइक बनी 'फाइव सीटर' कार!

सोशल मीडिया में वायरल

हो रहे इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक शख्स ने अपनी बाइक को सिर्फ मामूली बाइक नहीं रहने दिया, बल्कि उसे चलता-फिरता टफैमिली सोफा सेट' बना दिया. बाइक के पीछे पूरी चारपाई जोड़ दी और उस पर परिवार के लोग ऐसे बैठे नजर आए जैसे किसी पार्क में शाम की सैर का मजा ले रहे हों.

वीडियो देखकर ऐसा लग रहा है मानो बाइक नहीं, बल्कि 'मिनी बस और खाट' का कॉम्बो पैक सड़क पर दौड़ रहा हो. रास्ते में आने-जाने वाले लोग हैरानी से इसे देखते रह गए, वहीं सोशल मीडिया यूजर्स मजाक में कह रहे हैं कि पेट्रोल महंगा हो तो पाकिस्तान में लोग नए-नए ट्रांसपोर्ट मॉडल खुद ही बना लेते हैं!

इंस्टाग्राम पर @shahid.akram.566 नाम के अकाउंट से शेयर किया गया यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया. इस पर लाखों व्यूज और हजारों प्रतिक्रियाएं आई हैं. कमेंट सेक्शन में लोग दो गुटों में बंटे नजर आए:

जुगाड़ के दीवाने: एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा, 'जब जेब में पैसा न हो और दिमाग में 'जुगाड़' हो, तो किसी बड़ी गाड़ी की जरूरत ही क्या है? इसे कहते हैं देसी लग्जरी!' दूसरे यूजर ने लिखा, 'इन्हें अब कार खरीदने की कोई जरूरत नहीं है, इन्होंने तो बाइक को ही मिनी-बस बना दिया.'

फ्रूट सैंडविच

अगर आपके घर में बच्चे हैं जो खाने में नखरे करते हैं, तो आप उन्हें यह रेसिपी परोस सकते हैं और यह उन्हें निश्चित रूप से पसंद आएगी. आप इस रेसिपी को नाश्ते, रात के खाने और यहां तक कि शाम के नाश्ते के रूप में भी परोस सकते हैं. सैंडविच को अपने स्वाद के अनुसार बनाने के लिए अपनी पसंद के फल डालें. इतना ही नहीं आप अपनी पसंद का जैम फ्लेवर ब्रेड पर स्प्रेड कर सकते हैं, जैसे अनानास जैम, मैंगो जैम वगरह.

सामग्री:

- 2 ब्रेड स्लाइस
- 2 मध्यम स्ट्रॉबेरी
- 1 बड़ा चम्मच मिक्स्ड फ्रूट जैम
- 1 बड़ा चम्मच मक्खन
- 1/4 केला
- 4 ब्लूबेरी
- 1 चुटकी नमक

विधि:

दो ब्रेड स्लाइस लें और एक पर जैम और दूसरे पर मक्खन लगाएं.

अब फलों को जितना संभव हो उतना पतला काट लें और एक ब्रेड स्लाइस पर अच्छी तरह फैला दें. स्वाद को संतुलित करने के लिए चुटकी भर नमक छिड़कें. इसे दूसरी ब्रेड स्लाइस से ढक दें.

आपका फ्रूटी सैंडविच परोसने के लिए तैयार है.

बच्चों को लंच बॉक्स में सर्व करने के लिए इन्हें बीच में से हाफ कट कर दें, साथ में कुछ फल रख दें.

सावधान : मोबाइल कर रहा है बीमार

आपके पेट में फैल रही है ये बीमारी..!

मोबाइल फोन, टैबलेट, कंप्यूटर, ईयरफोन और स्मार्ट वॉच जैसे गैजेट हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। रोजमर्रा के कामों को निपटाने के लिए न सिर्फ ये जरूरी हैं, बल्कि हमारे स्टाइल का हिस्सा भी बन गए हैं। मोबाइल फोन को हम हर जगह साथ रखते हैं, फिर चाहे वो खाने की टेबल हो या बिस्तर। कई लोग तो बाथरूम में भी फोन और टैबलेट साथ लेकर जाते हैं।

इन गैजेट्स पर कई ऐसे बैक्टीरिया पाए गए हैं, जो बीमारी का कारण बनते हैं। फोन के मैकेनिज्म के कारण हमेशा हीट निकलती रहती है, इसलिए यह गैजेट बैक्टीरिया की पसंदीदा जगह हैं।

विशेषज्ञों ने बताया कि स्क्रीन पर बैक्टीरिया, वायरस, फंगी और प्रोटोजोआ पनपते हैं। इनकी वजह से डायरिया, फूड पॉइजनिंग, सांस की बीमारी और त्वचा में संक्रमण हो सकता है। लोग अपनी फिटनेस को ट्रैक करने के लिए स्मार्ट वॉच पहनते हैं, लेकिन इसके बैंड और स्क्रीन पर भी कई बैक्टीरिया (जैसे स्टैफिलोकोकस, स्यूडोमोनस, एस्चेरिचिया, ई-कोलाई पाए जाते हैं) जो त्वचा संक्रमण, टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम, रक्त, फेफड़ों में निमोनिया या शरीर के अन्य अंगों में संक्रमण और दस्त का कारण बनते हैं।

कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों को खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया, ये बैक्टीरिया कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। लगातार कई घंटों तक ईयरफोन या ईयरपॉड का इस्तेमाल करने से कान का तापमान और नमी बढ़ जाती है, जिससे कान में भी संक्रमण हो सकता है।

ज्यादातर मामलों में स्मार्टफोन की सतह पर स्टैफिलोकोकस ऑरियस जीवाणु पाया जाता है। इसे आमतौर पर स्टैफ के नाम से जाना जाता है। इसकी वजह से त्वचा में संक्रमण हो सकता है। यही नहीं, जब आप इस बैक्टीरिया के संपर्क में आते हैं तो इससे फूड पॉइजनिंग भी हो सकती है। इसलिए अगर खाते समय गैजेट का इस्तेमाल करते हैं तो इसे तुरंत बंद कर दें। यह बैक्टीरिया गैजेट से बहुत आसानी से आपके हाथों, फिर चेहरे और मुंह तक पहुंच सकता है।

पेट, त्वचा और UTI तक का खतरा

एस्चेरिचिया कोलाई या ई-कोलाई भी गंभीर संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया होते हैं। इसके कुछ वैरिएंट गंभीर दस्त, मूत्र मार्ग संक्रमण (यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन) और गुर्दे के रोग का कारण बन सकते हैं। स्ट्रेप्टोकोकस पायोजेन्स बैक्टीरिया गले से लेकर स्किन इंफेक्शन तक कई प्रकार के संक्रमण का कारण बन सकता है। यह मोबाइल फोन सहित कई सतहों पर लंबे समय तक जीवित रह सकता है, जिससे इसके फैलने का खतरा अधिक बढ़ जाता है। स्यूडोमोनस ऐरुगिनोसा बैक्टीरिया से श्वसन संक्रमण, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन और रक्त संक्रमण भी हो सकता है।

फोन की करतें रहें साफ-सफाई

एक शोध के अनुसार, 26 मोबाइल फोन पर 11,163 माइक्रो जीव मिले, जो खतरनाक बीमारियों का कारण बनते। इसलिए अपने गैजेट की स्क्रीन और बैक कवर को माइक्रोफाइबर कपड़े या अल्कोहल वाइप्स से नियमित तौर पर साफ करें। बाथरूम या अन्य गंदे वातारवरण में फोन का इस्तेमाल करने से बचें। नियमित तौर पर साबुन और पानी से हाथ धोएं या

आज का राशिफल

मेष : व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा। आय बनी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें। बुरी खबर मिल सकती है। भागदौड़ अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है।

वृषभ : सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधानी आवश्यक है।

कर्क : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

सिंह : दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम से काम रखें। लाभ के अवसर मिलेंगे। विवेक का प्रयोग करें। आय में वृद्धि होगी।

कन्या : यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। नए उपक्रम प्रारंभ करने संबंधी योजना बनेगी।

तुला : सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से लाभ होगा। आय में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक : चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु : चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दौड़धूप रहेगी। नकारात्मकता हावी रहेगी।

मकर : यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। कारोबारी अनुबंध हो सकते हैं। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों से सहयोग मिलेगा।

कुंभ : ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

मीन : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। किसी व्यक्ति से बहस हो सकती है। आशंका-कुशंका से बाधा होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

हड्डियों में स्टील जैसी ताकत से भर सकती है जुकिनी

यह ठीक खीरे जैसी सब्जी है लेकिन खीरा नहीं है. इसका नाम जुकिनी है. जुकिनी देखने में जितनी मुलायम दिखती है शरीर के लिए उतना ही फायदेमंद है. हड्डियों में कैल्शियम, पौटैशियम और मैग्नीशियम की मात्रा बहुत ज्यादा होती है जिसकी मदद से आप अपनी हड्डियों में स्टील जैसी ताकत ला सकते हैं. जुकिनी में पोषक तत्व भरे होते हैं. एक जुकिनी में 1 ग्राम हेल्दी फैट, 1 ग्राम प्रोटीन, 3 ग्राम कार्बोहाइड्रैट और एक ग्राम फाइबर के साथ पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम होता है. इसके अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन बी 6, जिंक, फॉस्फोरस, कॉपर सहित कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं.

हड्डियों को मजबूत बनाने में माहिर

जुकिनी का सलाद बनाकर सेवन किया जाता है. यदि आप जुकिनी का नियमित सेवन करेंगे तो इससे हड्डियां फौलाद बन सकती है. क्योंकि इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम सहित कई तरह के तत्व होते हैं जो हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी है.

पेट साफ करने की दवा

मेडिकल न्यूज टूडे के मुताबिक जुकिनी का सेवन पेट को

क्लीन करने में बहुत उपयोगी साबित हो सकता है. रिपोर्ट के मुताबिक एक तो इसमें बहुत अधिक पानी होता है. दूसरा इसमें फाइबर भी भरपूर मात्रा में होती है. इसमें सॉल्यूबल और इनसॉल्यूबल दोनों तरह के फाइबर होते हैं. इससे पेट में कंटेंट अधिक बनता है और बाओल मूवमेंट सही होता है. इससे स्टूल पास होना आसान हो जाता है. जुकिनी कॉन्स्टिपेशन को भी दूर रख सकता है.

शुगर लेवल कंट्रोल

जुकिनी में कार्बोहाइड्रैट की मात्रा न के बराबर होती है. इसलिए शुगर बढ़ाने का कोई सवाल ही नहीं उठता. दूसरी ओर इसमें फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है जिसके कारण यदि किसी अन्य फूड से ग्लूकोज ज्यादा बन रहा है तो उसकी गति को यह धीमी कर देता है.

हार्ट के लिए फायदेमंद

जुकिनी हार्ट के लिए भी बहुत फायदेमंद है. एक स्टडी के मुताबिक जुकिनी कोरोनरी हार्ट डिजीज के जोखिम को कम कर देती है. वही यह बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने नहीं देता. इसके अलावा यह ब्लड वैसल्स को स्मूथ रखती है. इससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है.

आंखों के लिए गुणकारी

जुकिनी में हाई विटामिन सी होता है. यह एक प्रकार को एंटीऑक्सीडेंट है. स्टडी के मुताबिक जुकिनी में मौजूद तत्व आंखों की समस्याओं के जोखिम

स्वाद और पोषक तत्वों से भरपूर है पपीता

पाचन के लिए फायदेमंद

शरीर को भी करे रोग मुक्त

वरिष्ठ आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ राजेश पाठक ने लोकल 18 से कहा कि कच्चा पपीता के फल में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी, विटामिन ए, पोटेशियम, फाइबर,और फोलिक एसिड पाया जाता हैं. जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है. हमारे शरीर को संक्रामक बीमारियों से बचाता है.

पाचन में सुधार: कच्चा पपीते में पपेन नामक विशेष एंजाइम होता है. जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने और कब्ज से राहत दिलाने में मददगार होते हैं. ऐसे में अगर रोजाना सुबह नाश्ते में फ्रूट सलाद के रूप में 50 ग्राम छोटे पपीता का सेवन करें तो पेट की समस्या से राहत प्राप्त मिलेगी.

वजन घटाने में सहायक: कच्चा पपीते में फाइबर कि मात्रा अधिक होती है, ऐसे मेंकच्चा पपीता खाने से पेट भरा रहता है.अगर भूख कम लगती है. जिससे वजन कम करने में मदद करता है. इसके अलावा कच्चा पपीता खाने से शरीर से मौजूद विषाणुओं को बाहर निकालने में और शरीर को रोग मुक्त रखने में मदद करता है

दिल के लिए फायदेमंद: कच्चा पपीते में पोटेशियम और मैग्नीशियम और मल्टीविटामिन पाए जाते हैं, जो शरीर में रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होता और दिल को स्वास्थ्य रखने में मदद करता है

कच्चा पपीता मधुमेह के रोगियों के लिए भी उपयोगी माना जाता है क्योंकि इससे मौजूद गुणकारी तत्व शुगर के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करते है. त्वचा के लिए कच्चा पपीता में विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता हैं,जो त्वचा को स्वस्थ और निखार बनाए रखने में मदद करता है

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

नाम छिपाकर दोस्ती फिर जबरन धर्मांतरण, ब्लैकमेल करने वाला साहिल गिरफ्तार

लखनऊ. यूपी के लखनऊ से धर्मांतरण मामला सामने आया है। अमीनाबाद इलाके में एक मुस्लिम युवक ने इंस्टाग्राम पर युवती से दोस्ती की। फिर उसे अपने प्रेमजाल में फंसाया। अपनी शादी की बात छुपाकर संबंध बनाए। इसी बीच युवती का धर्म परिवर्तन करा दिया। जब युवती को पहली शादी होने और युवक के धर्म की जानकारी हुई तो उसने विरोध जताया। आरोप है कि युवक ने उसे बुरी तरह से पीटा। किसी तरह से वह आरोपी के चंगुल से भाग निकली। पीड़िता ने अमीनाबाद थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। अमीनाबाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मोहर्रम में भरभराकर गिरा मकान का छज्जा, मलबे में दबकर दो बच्चों की मौत

लखनऊ. राजधानी लखनऊ के इटौंजा में शुक्रवार की देर शाम हादसा हो गया। महोना में मोहर्रम के मौके पर कुछ लोग मकान के छज्जे पर खड़े होकर सबील में बालूशाही और कोल्डड्रिंक और बिस्कुट वितरित कर रहे थे। इस दौरान उधर से गुजरे जुलूस के लोग और कुछ राहगीर बालूशाही और कोल्ड ड्रिंक लेने के लिए छज्जे पर लटक गए। भार बढ़ने से एकाएक छज्जा भरभरा कर गिर गया। लोग मलबे में दब गए। हादसे में 12 वर्षीय अरमान और 13 वर्षीय अली की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हुए। घायलों में चार की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने घायलों को ट्रामा और शौ-शय्या संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया है।

बेटे और बहू ने पिता को जमीन पर गिरा कर मारे तमाचे, नंगे बदन हाइवे पर घसीटा

कानपुर. यूपी के कानपुर से एक शर्मनाक घटना सामने आई है। जहां बेटे और बहू ने बाप की बेरहमी से पिटाई कर दी। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें दिख रहा है कि हाथ में फावड़ा लिए बेटा पहले पिता को धाराप्रवाह गालियां देता है फिर धक्का देकर गिरा देता है। इसके बाद पिता के मुंह पर ताबड़तोड़ तमाचे बरसाने लगता है। क्रूरता यहीं खत्म नहीं होती। जमीन पर नंगे बदन पड़े पिता के पैर पकड़ कर हाईवे पर घसीटता हुआ घर की ओर ले जाता है। इस काम में उसकी पत्नी भी साथ दे रही है। जानकारी के मुताबिक बेटा बीएसएफ और पत्नी पुलिस में तैनात में है। उधर, वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने वृद्ध का मेडिकल कराया। हालांकि बुजुर्ग ने बेटे के खिलाफ तहरीर देने के लिए तैयार नहीं हुए।

एक लाख का इनामी एनकाउंटर में ढेर

लखनऊ. लखनऊ में शनिवार सुबह यूपी पुलिस ने एक लाख के इनामी बदमाश संजय को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। संजय बिल्डर संदीप की हत्याकांड का मुख्य शूटर था। पुलिस को संजय की कई दिनों से तलाश थी, लेकिन वह चकमा देकर भाग जा रहा था। पुलिस को सूचना मिली बदमाश संजय बाइक से कहीं जा रहा है। पुलिस ने घेराबंदी करके उसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया।

महाराष्ट्र में TET पेपर लीक

- आज एग्जाम होना था
- सरकार ने परीक्षा रद्द की
- पेपर ठाणे से बरामद
- सरकारी टीचर्स के लिए ये परीक्षा जरूरी

ठाणे. महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) का क्वेश्चन पेपर करीब 24 घंटे पहले लीक हो गया। एग्जाम रविवार को होना था। महाराष्ट्र स्टेट एग्जामिनेशन काउंसिल (MSEC) ने इसके बाद परीक्षा स्थगित कर दी है। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा।

पुलिस के मुताबिक, क्वेश्चन पेपर लीक की सूचना के बाद ठाणे के भिवंडी इलाकों के कई जगहों पर छापेमारी की। इसके बाद एग्जामिनेशन काउंसिल के अफसरों को बुलाया और जब्त पेपर को वेरिफाई कराया गया

पुलिस ने बताया कि इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि संख्या नहीं बताई है। यह कार्रवाई एग्जाम के 24 घंटे पहले की गई। परीक्षा में 4.28 लाख ज्यादा उम्मीदवार शामिल होने वाले थे। महाराष्ट्र में टीचर बनने के लिए या जो पहले से सरकारी टीचर हैं, उनके लिए भी TET कंपलसरी है।

बड़े इंतजाम के बाद भी पेपर लीक

- राज्यभर में 1,729 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।
- 18,000 AI आधारित CCTV कैमरे लगाए गए थे।
- हर केंद्र की निगरानी राज्य और जिला कंट्रोल रूम से होनी थी।
- उम्मीदवारों के लिए बायोमेट्रिक और फेस रिकग्निशन की व्यवस्था थी।
- मेटल डिटेक्टर से जांच की जानी थी।
- मोबाइल, स्मार्ट वॉच और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान पर रोक थी।
- प्रवेश के लिए आधार, पैन, वोटर आईडी या ड्राइविंग लाइसेंस जैसे पहचान पत्र जरूरी थे।

वेनेजुएला में फिर भूकंप के झटके, अब तक 920 मौतें

- करीब 3300 घायल, 51 हजार लापता

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में 25 जून को आए दो भूकंप के बाद स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर को एक और भूकंप आया। देश के उत्तरी तट के पास आए इस भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, राजधानी कराकास और माराके में भी झटके महसूस किए गए।

इधर, पिछले भूकंप के तीन दिन बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 920 हो गई है। 3360 से ज्यादा घायल हैं, जबकि 51,700 से ज्यादा लोग लापता हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 243 लोगों को जिंदा बचाया गया है। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।

चमोली में बादल फटा घर-दुकानों में मलबा घुसा

- MP-झारखंड में आंधी-बिजली से 16 मौतें

नई दिल्ली. उत्तराखंड के चमोली जिले में शुक्रवार को तेज बारिश के बाद बादल फट गया। इससे इलाके के कई घरों और दुकानों में मलबा घुस गया। कई गाड़ियां भी मलबे में फंस गईं।

इधर मध्य प्रदेश के बालाघाट में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, देवास में आंधी-बारिश से मकान की बालकनी का हिस्सा गिर गया, इस हादसे में 2 महिलाओं की मौत हो गई। झारखंड में भी बिजली गिरने से 10 और छत्तीसगढ़ में दो लोगों की मौत हो गई।

मानसून ने देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है। यूपी में मानसून 8 दिन लेट है। यह आमतौर पर 20 जून तक आ जाता है लेकिन इस बार 15 दिनों से बिहार बॉर्डर पर रुका हुआ है। यह अगले 2 दिन में बिहार बॉर्डर से प्रदेश में एंट्री कर सकता है।

अगले साल भारत आ सकते हैं डोनाल्ड ट्रंप

- US विदेश मंत्री रुबियो का ऐलान
- ट्रेड डील पर क्या बोले?

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों और लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापार समझौते को लेकर बड़ी खबर आई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दोनों देशों के रिश्तों को 'शानदार' बताते हुए उम्मीद जताई है कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील अब अपने अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही, उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले साल की शुरुआत में भारत आने की संभावनाओं की भी पुष्टि की है।

- 'डोनाल्ड ट्रंप कर सकते हैं भारत का दौरा'

अमेरिकी राष्ट्रपति के संभावित भारत दौरे पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में रुबियो ने कहा कि अगले साल की शुरुआत में ट्रंप के दौरे को लेकर तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने भारत को अमेरिका का करीबी सहयोगी और पार्टनर बताते हुए कहा, 'हम उम्मीद कर रहे हैं और इसी दिशा में काम भी कर रहे हैं कि अगले साल की शुरुआत में किसी समय राष्ट्रपति भारत का दौरा करें।' उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच के रिश्ते काफी गहरे हैं, जो कूटनीति के लिहाज से बेहद अहम है।

- अंतिम चरण में है ट्रेड डील

वॉशिंगटन डीसी में दिए एक बयान में मार्को रुबियो ने भारत और अमेरिका के बीच मजबूत साझेदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि हमारे संबंध बहुत शानदार और मजबूत हैं। हाल ही में G7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बेहतरीन मुलाकात इसका प्रमाण है।'

रुबियो ने व्यापार समझौते पर बात करते हुए स्पष्ट किया कि दोनों सरकारें इसे जल्द निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए आशान्वित हैं। उन्होंने कहा, 'हम ट्रेड डील को अंतिम रूप देने की उम्मीद कर रहे हैं। यह बातचीत अब अपने अंतिम चरण पर है और इसके परिणाम बेहद सकारात्मक हैं।' रुबियो ने यह भी बताया कि वे जल्द ही एक और क्वाड मीटिंग में हिस्सा लेने की उम्मीद कर रहे हैं। साथ ही, अगले साल की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति के दौरे की रूपरेखा तैयार करने के लिए वह इस साल के अंत तक खुद भी वापसी कर सकते हैं।

सीएम शुभेंदु अधिकारी बोले- बंगाल में UCC लागू होगा

- लैंड जिहाद, लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण पर कानून लाएंगे;
- घुसपैठियों को वापस भेजेंगे

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में समान नागरिक संहिता (UCC) लागू करेगी। लैंड जिहाद, लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून भी लाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जो लोग अवैध तरीके से भारत में आए हैं। देश की संस्कृति या राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ गतिविधियों में शामिल हैं, उन्हें राज्य में रहने नहीं दिया जाएगा। अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें उनके देश वापस भेजा जाएगा।

वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर कोलकाता के रवींद्र सदन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शुभेंदु ने ये बातें कही।

आपातकाल का विरोध करने वालों का सम्मान होगा

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि आपातकाल का विरोध करने वालों को 9 अगस्त को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए 'लोकतंत्र सेनानी' समन्वय समिति बनाई जाएगी। पात्र लोगों को सरकारी मान्यता प्रमाणपत्र दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत और सामाजिक सेवा से जुड़े कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। कार्यक्रम के बाद अधिकारी ने भवानीपुर में भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि हर महीने दो दिन वह वहां लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनेंगे।

सुभेंदु के स्पीच की 4 मुख्य पॉइंट्स....

- सीमा सुरक्षा मजबूत करने के लिए आवश्यक जमीन उपलब्ध कराई गई है। सीमावर्ती जिलों में होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं, जहां अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें उनके मूल स्थान पर भेजा जाएगा।
- धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए हिंदू शरणार्थी घुसपैठिए नहीं हैं। ऐसे लोगों को नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के तहत भारतीय नागरिकता दी जाएगी।
- सेना के अपमान की अनुमती नहीं– जो लोग भारतीय सेना का अपमान करते हैं, ऑपरेशन सिंदूर का विरोध करते हैं या पहलगाम आतंकी हमले पर चुप रहते हैं, उन्हें ऐसी गतिविधियां करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'एक देश, एक विधान, एक प्रधान, एक निशान' के विचार के प्रति उनकी सरकार प्रतिबद्ध है। साथ ही बंगाल की सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय चरित्र को कमजोर नहीं होने दिया जाएगा।

PUBLIC NOTICE

LOSS OF ORIGINAL AGREEMENT FOR SALE

NOTICE is hereby given on behalf of my client MR. SANJAY LAXMANDAS HASIJA, residing at 101, Sai Residency, Mahavir Hospital Road, Opp. Guru Nanak Darbar, DulhariPada, Ulhasnagar, Thane, Maharashtra - 421004, that the original Agreement for Sale executed in respect of the residential property situated within the limits of Ulhasnagar, has been partially lost/misplaced.

The said Agreement for Sale was duly registered with the Sub-Registrar Class II, Ulhasnagar, under Document No. UHN1-578-2015 dated 24/03/2015. The subject document originally comprised a total of 41 pages (numbered 1 to 41). The original document had been deposited/mortgaged with the Bank of Baroda, Ulhasnagar-4 Branch, to secure a housing loan facility. However, upon a recent careful examination of the documents during the process of selling the house, it was discovered that pages 19 to 41 are missing from the document or have been inadvertently left behind in the custody of the Bank of Baroda, Ulhasnagar-4.

A digital Lost Item Report/Missing Complaint has been duly filed with the Thane Police Commissionerate (Ulhasnagar Police Station) vide Register ID: ULH431 dated 23/06/2026.

Any person having any claim, right, title, interest, or objection in respect of the said property or the missing pages of the said Agreement for Sale by way of sale, mortgage, gift, lease, inheritance, trust, or otherwise, is hereby required to make the same known in writing to the undersigned at the office address mentioned below within 14 (Fourteen) days from the date of publication of this notice, failing which the claim(s), if any, shall be deemed to have been waived, abandoned, or non-existent, and my client shall proceed to obtain duplicate documents/clear title certification.

Place: Ulhasnagar
Date: 27/06/2026

ADVOCATE PAWAN G. ROHRA
(BLS., LLB., DADR.)
Advocate High Court
Office Address: Opp. Bk. No. 2125/12, Nr. Ration Office, Hill Line Police Station, Hariom Nagar, Ulhasnagar - 421 005. Mobile: 9322629090 / 9146229090

भारतीयों के दिलों पर पुतिन का राज

नई दिल्ली. वैश्विक राजनीति में किस देश के नेता का कितना दबदबा है और आम जनता उन पर कितना भरोसा करती है, इसे लेकर दुनिया की जानी-मानी संस्था प्यू रिसर्च सेंटर ने एक बेहद दिलचस्प और चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी की है। इस ताजा सर्वे ने यह साफ कर दिया है कि जब बात कूटनीति और भरोसे की आती है, तो भारतीय जनता का मिजाज पश्चिमी देशों से बिल्कुल अलग है।

इस रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आज भी भारतीयों की पहली पसंद बने हुए हैं। वहीं, दोबारा सत्ता में आने के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेकर भारतीयों के भरोसे में कमी आई है। आइए इस पूरी रिपोर्ट के आंकड़ों और इसके पीछे के कूटनीतिक मायनों को विस्तार से समझते हैं।

पुतिन का जलवा भारत में आज भी बरकरार

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से ही पश्चिमी देशों ने व्लादिमीर पुतिन की छवि एक 'विलेन' के तौर पर पेश करने की भरपूर कोशिश की है, लेकिन भारत में इसका कोई खास असर नहीं दिख रहा है। प्यू रिसर्च के सर्वे के मुताबिक, भारत में 51 फीसदी लोग आज भी मानते हैं कि विश्व मंच पर पुतिन सही फैसले लेते हैं।

इस भरोसे के पीछे एक लंबा इतिहास है। भारत और रूस की दोस्ती दशकों पुरानी है। चाहे वो रक्षा समझौते हों, कश्मीर मुद्दे पर यूएन में वीटो का इस्तेमाल हो या फिर हाल ही में सस्ते कच्चे तेल की सप्लाई, रूस ने हमेशा भारत का साथ दिया है। यही वजह है कि तमाम अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद, भारतीयों के दिलों में पुतिन के लिए एक सॉफ्ट कॉर्नर और गहरा विश्वास कायम है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर क्यों कम हुआ भरोसा?

सर्वे का सबसे हैरान करने वाला पहलू अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ा है। ट्रंप की दोबारा सत्ता में वापसी के बाद भी भारत में उनकी लोकप्रियता वैसी नहीं दिख रही है जैसी उनके पिछले कार्यकाल में 'हाउडी मोदी' और 'नमस्ते ट्रंप' जैसे मेगा इवेंट्स के दौरान थी। ताजा आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप पर सिर्फ 39 फीसदी भारतीय ही भरोसा जता रहे हैं।

थरूर बोले- पासपोर्ट पर सरकार के फैसले बेतुके

- इससे जनता में भ्रम फैल रहा
- पासपोर्ट और आधार कार्ड को नागरिकता प्रमाण माना जाए

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा, 'केंद्र सरकार का ये कहना की पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, एक बेतुका कानूनी विरोधाभास है।' उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि सरकार का फैसला भ्रम पैदा कर रहा है। इसने राजनीतिक बहस शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा, 'हमेशा से पासपोर्ट को सबसे विश्वसनीय सरकारी पहचान दस्तावेज माना जाता रहा है। अगर पासपोर्ट से देश के भीतर नागरिकता साबित नहीं होती, तो फिर किस दस्तावेज से होगी।'

दरअसल, विदेश मंत्रालय ने 24 जून को जारी आदेश में कहा कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं, सिर्फ एक यात्रा दस्तावेज है। इससे पहले SIR से जुड़ी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि आधार कार्ड पहचान का दस्तावेज है, नागरिकता का नहीं।

भारतीय हॉकी टीम ने पाकिस्तान को 7-1 से हराया

- पिछड़ने के बाद लगातार 7 गोल दागे
- सभी गोल अलग-अलग प्लेयर्स ने किए

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने FIH प्रो लीग में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-1 से करारी शिकस्त दी। शुक्रवार रात को लंदन में भारतीय टीम एक समय 0-1 से पीछे चल रही थी। फिर उसने लगातार 7 गोल करके न केवल दमदार वापसी की, बल्कि पाकिस्तान को मैच से पूरी तरह बाहर कर दिया।

टीम इंडिया की ओर से सुखजीत सिंह (20वें मिनट), हरमनप्रीत सिंह (26वें मिनट), हार्दिक सिंह (34वें मिनट में), जुगराज सिंह, अभिषेक (41वें मिनट), राजकुमार पाल (44वें मिनट) और दिलप्रीत सिंह (54वें मिनट) ने एक-एक गोल दागे। पाकिस्तान से इकलौता गोल अबू महमूद (13वें मिनट) ने किया। अब भारतीय टीम लंदन चरण के अपने अंतिम मुकाबले में रविवार को इंग्लैंड से भिड़ेगी।

पाकिस्तान को पेनल्टी गोल से बढ़त, 7 मिनट में स्कोर बराबर

पाकिस्तान ने 13वें मिनट में अबू महमूद के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से बढ़त बनाई। हालांकि, भारत ने जल्दी ही जवाब दिया। 20वें मिनट में सुखजीत सिंह ने हरमनप्रीत सिंह की पेनल्टी कॉर्नर पर आई गेंद को डिफ्लेक्ट कर स्कोर 1-1 कर दिया।

कप्तान हरमन के गोल से इंडिया आगे हुआ

हाफ टाइम से पहले भारतीय टीम ने पाकिस्तान पर 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। मैच के 26वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल स्कोर किया और भारतीय टीम को आगे कर दिया।

मैच के तीसरे क्वार्टर में भारत ने दबदबा और बढ़ा दिया। 34वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर हार्दिक सिंह ने गोल किया। इसके तुरंत बाद पाकिस्तान के पेनल्टी कॉर्नर विफल होने पर हुए जवाबी हमले में जुगराज सिंह ने चौथा गोल दागा।

सोनिया बोलीं- गाजा में बच्चों को खत्म करने की कोशिश

- भारत अकेला जिसने चुप्पी साधी
- दुनिया इजराइल से दूर जा रही, भारत पास

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी ने गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई पर मोदी सरकार के स्टैंड पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा, 'संयुक्त राष्ट्र की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच आयोग की जून 2026 की रिपोर्ट बताती है कि इजराइल गाजा में फिलिस्तीनियों के अस्तित्व को खत्म करने के इरादे से बच्चों को निशाना बना रहा है। इतनी गंभीर रिपोर्ट आने के बाद भी मोदी सरकार चुप है।'

सोनिया ने लिखा कि इस आयोग की अगुआई अब भारत के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस एस. मुरलीधर कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में जारी 94 पन्नों की रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल की कार्रवाई का मकसद गाजा में फिलिस्तीनियों के अस्तित्व को खत्म करना है और इसके लिए बच्चों को निशाना बनाया जा रहा है।

- सोनिया बोलीं- भारत अकेली आवाज, जिसने चुप्पी साधी

सोनिया गांधी ने कहा कि जब पूरी दुनिया में इजराइल के खिलाफ विरोध बढ़ रहा है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय गाजा में हुई तबाही को गंभीरता से देख रहा है, तब भारत सरकार अकेली ऐसी आवाज बन गई है, जिसने चुप्पी साध रखी है। उन्होंने कहा कि जस्टिस एस. मुरलीधर की रिपोर्ट पर भी मोदी सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

उन्होंने अपने लेख में जस्टिस मुरलीधर के दिल्ली हाईकोर्ट से तबादले का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि उनका तबादला उस समय हुआ था, जब उन्होंने 2020 के दिल्ली दंगों से पहले BJP नेताओं के कथित भड़काऊ बयानों पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए थे।

उल्हासनगर महानगरपालिका

वैद्यकीय आरोग्य विभाग

राष्ट्रीय पल्स पोलिओ लसीकरण मोहिम

पोलिओ रविवार
दि. 28 जून, 2026.

आपल्या 5 वर्षाच्या आतील बालकांना रविवार दि. 28 जून, 2026 रोजी पल्स पोलिओचा डोस नजीकच्या बुथवर अवश्य द्या.

बालके म्हणजेच देशाची भावी पिढी, ही भावी पिढी अधु व अपंग होऊ नये याकरिता पल्स पोलिओ डोस आवश्यक आहे.

- या दिवशी 5 वर्षाच्या आतील बाळाला पोलिओ डोस अवश्य पाजा.
- या पुर्वी कितीही डोस दिले असला तरीही
- बाळ नुकतेच जन्मलेले असलेले तरीही
- बाळ आजारी असल्यास वैद्यकीय अधिकारी यांच्या सल्ल्यानेच डोस द्यावा.

पल्स पोलिओ डोस मुळे बालकास अपाय होणार नसुन फायदाच होणार आहे. वय वर्षे ते 5 वयोगटातील प्रत्येक बालक संरक्षित करणे आवश्यक आहे.

श्रीम. सविता प्र. तोरणे (रगडे)
सभापती
आरोग्य परिक्षण व वैद्यकीय सहाय्य समिती
उल्हासनगर महानगरपालिका

श्री. अमर गोविंदराम लुंड
उप महापौर
उल्हासनगर महानगरपालिका

श्रीम. अश्विनी कमलेश निकम
महापौर
उल्हासनगर महानगरपालिका

श्रीम. मनिषा आव्हाळे (भा.प्र.से)
आयुक्त
उल्हासनगर महानगरपालिका

संक्षेप...

पॉली जैकब बने शिवसेना के क्रिश्चियन मायनॉरिटी सेल के अध्यक्ष

कल्याण. विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय पॉली जैकब तोट्टगल को शिवसेना (शिंदे गुट) के क्रिश्चियन मायनॉरिटी सेल का कल्याण लोकसभा अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति क्रिश्चियन मायनॉरिटी सेल के महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष जेरी जे. डेविड ने की। इस अवसर पर उन्होंने पॉली जैकब के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी। नियुक्ति के बाद पॉली जैकब तोट्टगल ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

मुहर्रम जुलूस में जहर से भरे 14900 कैप्सूल जब्त

बड़ी साजिश की आशंका

मुंबई. मुंबई के भायखला इलाके में मुहर्रम के जुलूस में एक व्यक्ति लोगों को टैबलेट बांट रहा था. इसे खाने के बाद कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ गई. इसके बाद आरोपी को हिरासत में लिया गया. पूछताछ में आरोपी ने दावा किया कि वह दर्द निवारक यानी पेनकिलर टैबलेट बांट रहा था. लेकिन इसी दौरान एक व्यक्ति ने टैबलेट खाने के बाद उल्टी और बेचैनी की शिकायत की. पुलिस ने बड़ी संख्या में 14 हजार से ज्यादा कैप्सूल जब्त किए हैं.

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने मोहर्रम के जलूस को टारगेट करने के जहरीले कैप्सूल बांटें थे. उसने जुलूस को निशाना बनाने के लिए 30 हजार कैप्सूल आर्डर किए थे. इनमें जिंक फॉस्फाइड यानी चूहों को मारने में इस्तेमाल किया जाता है.

ये बिना परमिशन के कैप्सूल बेच रह था- पुलिस

DCP जयंत मीणा ने कहा कि मुहर्रम के जलूस मे एक संदिग्ध दिखा. पूछताछ की तो पता चला कि ये बिना परमिशन के कैप्सूल बेच रह था. सुबह 4 बजे एक

सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई. पुलिस की टीम ने उस संदिग्ध को उठाया. उसने बताया कि उसने ऐसा मुहर्रम के जलूस को टारगेट करने के लिये किया था.

आरोपी फैय्याज प्रेमजी पुणे का रहने वाला है. उसका पेंट का बिजनेस है. 50 किलो जिंक फास्फाइड ऑर्डर किया. कुछ दिनों से रहने के ठिकाने पर हर कैप्सूल में एक-एक ग्राम जहर डालकर मुहर्रम को निशाना बनाना था. ये 2025 में ईरान और इराक गया था, यहां जाने का उद्देश्य क्या थे ये अभी पता नहीं है. उन्होंने बताया कि 14900 कैप्सूल जब्त किए गए हैं. 30000 बनाने का लक्ष्य था. कैप्सूल डिस्ट्रीब्यूट नहीं हो पाए.

मुहर्रम के एक जुलूस में संदिग्ध गोलियां बांटी

- टैबलेट खाने के बाद एक व्यक्ति को उल्टी-बेचैनी
- आरोपी का नाम फैय्याज प्रेम जी, वो पूणे का रहने वाला
- गोली बांटने वाले फैय्याज को पुलिस ने पकड़ा
- आरोपी का दावा है कि वो पेनकिलर बांट रहा था
- फैय्याज के पास से चूहे मारने की 14 हजार गोलियां मिलीं
- आरोपी ने 30 हजार से अधिक कैप्सूल आर्डर किया था
- फैय्याज के पास से 50KG जिंक फास्फाइड बरामद
- फैय्याज ने हर कैप्सूल मे 1 ग्राम जहर डाल रखा था
- 2025 में आरोपी फैय्याज ईरान और ईराक गया था
- हर कैप्सूल में एक-एक ग्राम जहर मिलाया- पुलिस

पुलिस ने बहुत बड़ी त्रासदी को रोक दिया- डीसीपी

डीसीपी जयंत मीणा ने कहा कि पुलिस ने बहुत बड़ी त्रासदी को रोक दिया. जांच जारी है और ये पता लगाने की कोशिश है कि इसका मोटिव क्या था. बहुत बड़े पैमान पर आरोपी की साजिश की आंशका थी. हम सभी एंगल से जांच कर रहे हैं. इसका नाम फैयाज प्रेमजी है और वह पुणे का रहने वाला है.

तलोजा में हुक्का पार्लर पर कार्रवाई

नवी मुंबई. तलोजा पुलिस ने एक हुक्का पार्लर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 2 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया. पुलिस को सूचना मिली कि तलोजा के घोटगांव स्थित हैप्पी होम बिल्डिंग के सामने डी आर मंकी हुक्का पार्लर बिना लाइसेंस के चला रहा है और ग्राहकों को हुक्का पीने के लिए दे रहा है. इस सूचना के आधार पर पुलिस ने उक्त हुक्का पार्लर पर छापा मारकर मौके से 13199 रुपये का तंबाकू, हुक्का और अन्य सामान जब्त किया. पुलिस ने बताया कि इस मामले में घोटकैंप स्थित ऋद्धि सिद्धि सोसायटी में रहने वाले मुकेश कुमार भागीरथमल खिचड़ और तौहीद बबलू मंसूरी के खिलाफ केस दर्ज किया गया.

सांसद नरेश म्हस्के के हाथों नवजात बच्चों के लिए आइसीयू यूनिट का उद्घाटन

ठाणे. कोपरी स्थित लखमीचंद फतिचंद हॉस्पिटल में नवजात बच्चों के लिए 18 बेड वाले आइसीयू यूनिट का उद्घाटन सांसद नरेश म्हस्के ने किया और महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने इसकी अध्यक्षता की।इस मौके पर उपमहापौर कृष्णा पाटिल,सभागृह नेता हनुमंत जगदाले,नगरसेवक राम रेपाले, भरत चव्हाण, नगरसेविका मालती पाटिल, नम्रता पमनानी,उपायुक्त मनीष जोशी,मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल, डॉ. धायगुडे, डॉ. समिधा गोरे और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।शेठ लखमीचंद फतिचंद प्रसूतिगृह कई सालों से इलाके के आम लोगों, मजदूरों और स्लम एरिया के नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रसूतिगृह रहा है।स्थानीय नगरसेवक लगातार इस हॉस्पिटल के डेवलपमेंट के लिए फॉलोअप और कोशिशें की हैं। महिला के बच्चे को जन्म देने के बाद, अगर बच्चे को आइसीयू में रखना होता था, तो उसे छत्रपति शिवाजी महाराज हॉस्पिटल या कहीं और शिफ्ट करना पड़ता था। लेकिन अब, जब से इस जगह पर 18 बेड का आईसीयू बन गया है, तब से नए जन्मे बच्चों को कहीं और शिफ्ट नहीं करना पड़ेगा।

नेत्र जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

नवी मुम्बई. घनसोली सेक्टर 4 स्थित राजिंदर मेडिटेशन सेंटर में संत राजिंदर सिंह महाराज के मार्गदर्शन में रविवार को नेत्र जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। इसमें डॉ अग्रवाल अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा लोगों की आंखों की जांच एवं उपचार किया जाएगा। वहीं नेरुल स्थित डीवाई पाटिल अस्पताल के डॉक्टरों के मार्गदर्शन में रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया जाएगा। सन्त राजिंदर मेडीटेशन सेंटर के अध्यक्ष विनोद शर्मा ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में लोगों से लाभ उठाने की अपील की है। पिछले कई वर्षों के दौरान इन सेवा कार्यों के माध्यम से आयोजित 35 रक्तदान शिविरों में 3,520 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित किया गया है।

अगस्त में होगी 32वीं 'ठाणे मेयर वर्षा मैराथन'

ठाणे। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने मीटिंग में घोषणा की कि ठाणे मनपा की ओर से 32वीं ठाणे मेयर वर्षा मैराथन अगस्त में होगी। सात साल पहले, 2019 में 'ठाणे मेयर वर्षा मैराथन' हुई थी। मेयर ने बताया कि यह 'ठाणे मेयर वर्षा मैराथन' मेयर के सात साल बाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में पद संभालने के बाद हो रही है, इसलिए इस साल यह मैराथन बड़े उत्साह के साथ पूरी होगी।ठाणे मेयर वर्षा मैराथन की मीटिंग स्वर्गीय अरविंद पेंडसे हॉल में मेयर शर्मिला पिंपलोलकर की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल, नेता सदन हनुमंत जगदाले, मनपा कमिश्नर सौरभ राव, शिवसेना ग्रुप लीडर पवन कदम,

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार ग्रुप) नजीब मुल्ला, नगरसेवक राम रेपाले, नगरसेविका मर्जिया पठान, एडिशनल कमिश्नर 1 संदीप मालवी, एडिशनल कमिश्नर 2 प्रशांत रोडे, डिप्टी कमिश्नर जी.जी. गोदापुरे, मीनल पलांडे, चीफ अकाउंट्स एंड फाइनेंस ऑफिसर दीपक शिंदे आदि मौजूद थे।ठाणे मेयर वर्षा मैराथन ठाणे मनपा और ठाणे जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता की तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी और ठाणे मनपा मुख्यालय में एक मैराथन कक्ष स्थापित किया जाएगा। मेयर शर्मिला पिंपोलकर ने मीटिंग में सभी तैयारियां करने के निर्देश दिए ताकि राज्य और राष्ट्रीय स्तर के मैराथन धावकों सहित ठाणे के नागरिक बड़ी संख्या में और उत्साह के साथ इस मैराथन में भाग लें।

इसके लिए, आयुक्त सौरभ राव ने तैयारी करने के निर्देश दिए ताकि इस प्रतियोगिता की जानकारी सभी स्तर तक पहुंचे।32 वीं ठाणे मेयर वर्षा मैराथन प्रतियोगिता में विभिन्न समूह होंगे। राज्य स्तरीय समूह में निम्नलिखित वर्ग हैं: ओपन समूह (महिला और पुरुष) - 21 किमी, 18 वर्ष से ऊपर (महिला और पुरुष) - 10 किमी, 18 वर्ष से कम (लड़के और लड़कियां) - 10 किमी। डिप्टी कमिश्नर मीनल पलांडे ने बैठक में बताया कि जिला स्तरीय समूह में निम्नलिखित समूह शामिल हैं: 15 वर्ष से कम (लड़के और लड़कियां) - 05 किमी, 12 साल से कम (लड़के और लड़कियां) - 03 किमी, वरिष्ठ नागरिक (पुरुष और महिलाएं) - 500 मीटर।

ठाणे पुलिस ने 600 किलो मादक पदार्थ नष्ट किया

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने 39.03 करोड़ रुपये मूल्य के कम से कम 600 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किए। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि ये मादक पदार्थ 112 मामलों में जब्त किए गए थे, इन्हें नवी मुंबई के तलोजा एमआईडीसी स्थित मुंबई अपशिष्ट प्रबंधन कंपनी में जलाकर नष्ट कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 13.43 करोड़ रुपये मूल्य का मेफेड्रोन (एमडी), 20.98 करोड़ रुपये मूल्य की चरस और 1.13 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा सहित अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थ शामिल थे।

उन्होंने कहा, ''यह अभियान नशे के खतरे को जड़ से खत्म करने और युवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की ठाणे पुलिस की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

इस ऑपरेशन में एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर जनार्दन सोनवणे, जोनल नोडल ऑफिसर और क्राइम ब्रांच के पुलिस इंस्पेक्टर विनोद पाटिल, चंद्रहास गोडसे, जयपाल राजपूत, संदीप धांडे, संजय दावणे के साथ-साथ असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सोमनाथ कर्णवार-पाटिल, पुलिस सब-इंस्पेक्टर दीपक दुम्मलवाड़, राजेंद्र निकम, मोहन परब और असिस्टेंट केमिकल एनालिस्ट ने अहम भूमिका निभाई।

अंग्रेज़ी समरी राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

भिवंडी. विद्यार्थियों में अध्ययन की रुचि, आलोचनात्मक सोच तथा लेखन कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से रईस हाईस्कूल एवं जूनियर कालेज में एम.एल.टी.तथा कॉमर्स विभाग के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेज़ी समरी राइटिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में दोनों विभागों के कुल 115 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी शैक्षणिक एवं साहित्यिक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया.

प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी भाषा का एक चयनित अनुच्छेद दिया गया तथा उन्हें निर्देश दिया गया कि वे उसका सार अपने शब्दों में लिखें. विद्यार्थियों ने विषय की गहरी समझ,भाषा पर पकड़,संक्षिप्त एवं

प्रभावशाली अभिव्यक्ति का परिचय देते हुए अनुच्छेद के मुख्य बिंदुओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया. शिक्षकों ने सभी प्रविष्टियों का सूक्ष्मता से मूल्यांकन किया.भाषा की शुद्धता, विषय की समझ, संक्षिप्तता तथा अभिव्यक्ति के आधार पर निर्णायक मंडल ने परिणाम घोषित किए.निर्णायक मंडल के निर्णयानुसार एम.एल.टी. विभाग की अंसारी राहमीन शर्जील ने प्रथम तथा अंसारी इफ़रा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।वहीं कॉमर्स विभाग में अंसारी मिन्हाज ने प्रथम तथा अल-सुदैस ने द्वितीय स्थान हासिल किया.

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय के प्रधानाचार्य ज़िया-उर-रहमान अंसारी एवं शिक्षकों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया.

एसएसटी महाविद्यालय के एनएसएस का 'नशामुक्त समाज के लिए' नुक्कड़ नाटक

मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी जनजागरूकता

उल्हासनगर. अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ विरोधी दिवस के अवसर पर एसएसटी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई ने विठ्ठलवाडी पुलिस स्टेशन तथा कल्याण रेलवे पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में उल्हासनगर शहर एवं कल्याण रेलवे स्टेशन परिसर में प्रभावशाली नुक्कड़ नाटकों का मंचन कर मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया। स्वयंसेवकों ने अपने प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से नशे की लत से व्यक्ति, परिवार और समाज पर पड़ने वाले गंभीर दुष्परिणामों को उजागर करते हुए नागरिकों को नशामुक्त जीवन का संदेश दिया।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने उल्हासनगर के प्रमुख चौकों, भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों तथा कल्याण रेलवे स्टेशन परिसर में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। नशे की गिरफ्त में आने वाले युवाओं के बर्बाद होते भविष्य, परिवारों पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव तथा समाज पर होने वाले दुष्परिणामों का सजीव चित्रण कर नागरिकों से मादक पदार्थों से दूर रहने का आह्वान किया गया। इन प्रस्तुतियों को नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सराहा और स्वयंसेवकों के अभिनय की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

इस जनजागरूकता अभियान को विठ्ठलवाडी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों, कल्याण रेलवे पुलिस, एसएसटी महाविद्यालय के प्रबंधन, प्राचार्य, प्राध्यापकगण तथा एनएसएस स्वयंसेवकों का बहुमूल्य सहयोग प्राप्त हुआ। पुलिस प्रशासन ने कहा कि मादक पदार्थों के बढ़ते दुष्प्रभाव पर नियंत्रण के लिए कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर व्यापक जनजागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है।

महाविद्यालय की इस सामाजिक प्रतिबद्धता से जुड़े अभियान को राहगीरों, व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने भरपूर समर्थन एवं सराहना दी। नशामुक्त, स्वस्थ और जिम्मेदार समाज के निर्माण की दिशा में एसएसटी महाविद्यालय का यह प्रयास सामाजिक जागरूकता का एक प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आया।

पैपराजी पर भड़कीं मलाइका अरोड़ा

किसी से बात कर रही थीं

ज्यादा करीब आने पर बोलीं- बाबा, आप इधर आ जाओ

मलाइका अरोड़ा का हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में वह किसी से बात करती नजर आ रही हैं। इस दौरान पैपराजी उनके काफी करीब आ जाते हैं, जिससे वे नाराज हो

गईं।

मलाइका पैपराजी से कहती हैं, 'बाबा, आप इधर आ जाओ।' जिसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, अब तक यह जानकारी सामने नहीं आ पाई कि यह वीडियो कब और कहां का है।

बता दें कि मलाइका अरोड़ा ने कहा था कि उन्हें सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है, जब पैपराजी उनकी बिना जरूरत वाली तस्वीरें क्लिक करते हैं।

दिसंबर 2022 में कॉमेडियन भारती सिंह से बातचीत के दौरान मलाइका ने कहा था, 'मैंने कभी किसी को नहीं डांटा, जब तक किसी ने मुझे धक्का न दिया हो या गलत व्यवहार न किया हो, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब फोटोग्राफर्स मेरे चेहरे की बजाय मेरे शरीर के अलग-अलग हिस्सों की तस्वीरें लेने लगते हैं। कैमरा ऊपर-नीचे घूमता रहता है और मुझे इससे दिक्कत होती है।'

मलाइका ने आगे कहा था, 'वे मेरे शरीर के कुछ खास हिस्सों पर ही फोकस क्यों करते हैं? मुझे अपने शरीर पर गर्व है। फिर लोग कहते हैं कि अगर नहीं दिखाना है, तो पूरे कपड़े पहन लो। लेकिन मैं क्या पहनूं, यह मेरा फैसला है। मुझे जैसे कपड़े पसंद हैं, मैं वैसे ही पहनूंगी।'

उन्होंने यह भी कहा था कि ऐसी तस्वीरों की वजह से उन्हें अपने परिवार को भी जवाब देना पड़ता है। इसलिए यह बात उन्हें परेशान करती है।

एसआईआर-2026, कलवा प्रभाग समिति में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मीटिंग

ठाणे. चुनाव आयोग के बताए गए विशेष संक्षिप्त पुनर्निरीक्षण-एसआईआर-2026 प्रोग्राम के मुताबिक, गुरुवार को कलवा प्रभाग समिति में अलग-अलग राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की एक मीटिंग हुई।

इस मीटिंग में एसआईआर-2026 प्रोग्राम के बारे में डिटेल में जानकारी दी गई और अतिरिक्त जिलाधिकारी और वोटर रजिस्ट्रेशन अधिकारी सुरेखा चव्हाण ने सभी राजनीतिक दलों से वोटर लिस्ट री-इंस्पेक्शन प्रोसेस में एक्टिव रूप से सहयोग करने की अपील की।सुरेखा चव्हाण ने यह भी बताया कि अगर घर-घर जाकर वोट देने के दौरान संबंधित राजनीतिक दलों के पोलिंग स्टेशन लेवल ऑफिसर (BLO) और पोलिंग स्टेशन लेवल असिस्टेंट (BLA) मौजूद रहेंगे, तो प्रोसेस ज़्यादा ट्रांसपेरेंट और भरोसेमंद होगा। उन्होंने बताया कि स्पेशल

ब्रीफ री-इंस्पेक्शन प्रोग्राम को प्लान और ट्रांसपेरेंट तरीके से लागू किया जाएगा।इस मौके पर एसआईआर-2026 प्रोग्राम का शेड्यूल भी अनाउंस किया गया। इसके मुताबिक, क्वालिफाइंग डेट 1 जुलाई 2026 है और तैयारी, ट्रेनिंग और प्रिंटिंग का काम 20 से 29 जून तक किया जाएगा। 30 जून से 26 जुलाई तक BLO के ज़रिए हाउस विज़िट किए जाएंगे और 29 जुलाई तक पोलिंग स्टेशनों का रैशनलाइज़ेशन पूरा कर लिया जाएगा। ड्राफ़्ट वोटर लिस्ट 8 अगस्त को पब्लिश की जाएगी। इसके बाद, 8 अगस्त से 1 सितंबर तक क्लेम और ऑब्जेक्शन लिए जाएंगे। इस समय बताया गया कि 3 सितंबर तक इस पर फैसला ले लिया जाएगा और फाइनल वोटर लिस्ट 17 सितंबर 2026 को पब्लिश की जाएगी।इस मीटिंग में उपायुक्त दीपक झिंजाड,सहायक आयुक्त ललिता जाधव, रजिस्ट्रेशन ऑफिसर संदीप थोरात, विजय कवाले, नवनाथ गोराड, स्वाति थेले, मृण्मयी सातव और 149 कलवा-मुंब्रा विधानसभा क्षेत्रों के सभी सहायक रजिस्ट्रेशन ऑफिसर मौजूद थे।

अंबरनाथ श्रद्धा हिंदी विद्यालय में अग्रवाल समाज द्वारा प्याऊ स्थापित किया गया

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के श्री श्रद्धा हिंदी विद्यालय में अग्रवार समाज कल्याण द्वारा ठंडे पानी का प्याऊ स्थापित किया गया है. समाज की ओर से ये 29वां प्याऊ बिठाया गया है. श्रद्धा हिंदी विद्यालय में 500 के करीब विद्यार्थी पहली कक्ष से लेकर दसवीं तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. इन विद्यार्थियों से कोई फीस नहीं ली जाती है. ऐसी जानकारी विद्यालय के संचालक मंडल के संस्थापक डॉ. आर. ए. सिंह ने पत्रकारों एवं उपस्थितों को दी. अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिल कुमार गर्ग ने उपस्थितों को बताया कि समाज की ओर से इस विद्यालय में स्थापित किया गया ठंडे पानी का ये 29वां प्याऊ है. इससे पूर्व ठाणे से लेकर कर्जत तक अस्पतालों, प्लेटफार्म पर एवं स्कूलों में 28 प्याऊ स्थापित किए गए हैं.

उन्होंने बताया कि ये प्याऊ श्रीमती एवं श्री राकेश गुप्ता के सहयोग से उनकी स्वर्गीय माताजी शारदा देवी गुप्ता की पुण्य स्मृति में स्थापित किया गया है. कार्यक्रम में सचिव नितिन अग्रवाल, रजनीश अग्रवाल, नवीन बंसल आदि उपस्थित थे. स्कूल शिक्षकों की ओर से मान्यवरों का पुष्प देकर स्वागत किया गया. विद्यालय के महासचिव कमर काजी एवं ट्रस्टी यूसुफ शेख ने आभार व्यक्त किया.

मुंबई: मुंबई के मलाड इलाके में स्थित अक्सा बीच पर शुक्रवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक 17 वर्षीय लड़के के समुद्र में डूबने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद से ही प्रशासन और कई एजेंसियों की ओर से सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्रीमती कुसूम उत्तम मोलके सभी को सूचित कर रही हूं कि श्री उत्तम सावकराम मोलके का देहांत 11 जुलाई 2019 को हो गया है. उनके नाम पर ऑटो रिक्शा नं. एमएच05 सीजी 5499 है और परमिट नं. 200/उल्हासनगर जिसे अब मेरे नाम पर परिवर्तन करने के लिए कल्याण आर.टी.ओ. कार्यालय में आवेदन दे दिया है. उपरोक्त ऑटो रिक्शा पर किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो जैसे विक्री व्यवहार, खरीदी व्यवहार, गिरवी, दान बक्षीस, वारण, लीज तथा अन्य कोई लेन देन हो तो इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर अपनी आपत्ती आर.टी.ओ. कार्यालय, कल्याण में दर्ज कराएं। अन्यथा रिक्शा नं. एमएच05 सीजी 5499 मेरे श्रीमती कुसूम उत्तम मोलके के नाम पंजीकरण कर दिया जाएगा.

सही/-
श्रीमती कुसूम उत्तम मोलके

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099